भारत का LNG आयात 8 माह के निचले स्तर पर: कारण और मायने

PCSMANTRA टीम | करेंट अफेयर्स | 28 नवंबर 2026

क्यों चर्चा में? प्रारंभिक आँकड़ों के अनुसार नवंबर 2026 (1 से 27 नवंबर) में भारत का तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) आयात करीब 1.73 मिलियन टन रहा, यानी औसतन लगभग 64,000 टन प्रतिदिन, जो मार्च 2026 के बाद का सबसे निचला मासिक स्तर है। पूरे माह के लिए अनुमान 1.8 से 1.9 मिलियन टन है, जबकि अक्टूबर 2026 में आयात 2.85 मिलियन टन और नवंबर 2025 में 2.20 मिलियन टन था। यह गिरावट तब आई है जब घरेलू गैस उत्पादन स्थिर है और अंतर्राष्ट्रीय स्पॉट कीमतें ऊँची हैं।

पृष्ठभूमि

भारत अपनी प्राकृतिक गैस खपत का बड़ा हिस्सा LNG आयात से पूरा करता है। गैस की माँग मुख्य रूप से उर्वरक, बिजली, शहरी गैस वितरण (PNG/CNG) और रिफाइनरी क्षेत्रों से आती है। भारत दुनिया के प्रमुख LNG आयातकों में है और इसकी आयात-निर्भरता ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज़ से महत्वपूर्ण है। LNG की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में तय होती हैं, और स्पॉट (तत्काल) खरीद कीमत-उतारचढ़ाव के प्रति संवेदनशील होती है; इसके विपरीत दीर्घकालिक अनुबंध अपेक्षाकृत स्थिर कीमत देते हैं।

मुख्य बिंदु

- **आयात में गिरावट:** नवंबर 2026 (1-27 तारीख़) में LNG आयात 1.73 मिलियन टन, यानी प्रतिदिन औसतन लगभग 64,000 टन; पूरे माह का अनुमान 1.8-1.9 मिलियन टन। यह अक्टूबर (2.85 मिलियन टन) और पिछले वर्ष के नवंबर (2.20 मिलियन टन) से काफ़ी कम है।
- **बिजली माँग में कमी:** मानसून के बाद तापमान ठंडा हुआ और कृषि-पम्पिंग की माँग घटी, जिससे बिजली की माँग कम हुई; गैस-आधारित बिजली संयंत्रों की गैस खपत घटी।
- **अक्टूबर का रिकॉर्ड आयात:** अक्टूबर 2026 में आयात रिकॉर्ड स्तर पर था, जिससे टर्मिनलों पर भंडारण भरा रहा और नवंबर में नई खरीद की ज़रूरत घटी।
- **ऊँची स्पॉट कीमतें:** एशियाई स्पॉट LNG कीमतें लगभग 35 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (mBtu) के आसपास रहीं, जिससे कीमत-संवेदनशील खरीदारों (विशेषकर बिजली और औद्योगिक उपभोक्ता) ने स्पॉट खरीद घटा दी।
- **यूरोपीय प्रतिस्पर्धा:** सर्दियों से पहले यूरोपीय खरीदारों की माँग बढ़ने से स्पॉट कार्गो पर प्रतिस्पर्धा और कीमतें दोनों बढ़ीं।
- **आपूर्ति-शृंखला जोखिम:** हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास टैंकरों पर हमलों से शिपिंग बीमा और माल-ढुलाई लागत बढ़ी, जिससे स्पॉट खरीद महँगी हुई।
- **घरेलू उत्पादन स्थिर:** घरेलू गैस उत्पादन अपेक्षाकृत स्थिर रहा, इसलिए आयात में कटौती का सीधा असर कुल आपूर्ति पर नहीं पड़ा, परंतु माँग-पूर्ति के लिए आयात आवश्यक बना रहा।

महत्व और चुनौतियाँ

महत्व: LNG आयात का रुझान भारत की ऊर्जा-लागत और व्यापार-घाटे पर सीधा असर डालता है। ऊँची स्पॉट कीमतों के समय आयात में कटौती विदेशी मुद्रा बचाती है, परंतु यह भी दर्शाता है कि घरेलू माँग कीमत के प्रति संवेदनशील है। यह इस बात का भी संकेत है कि दीर्घकालिक अनुबंध और घरेलू उत्पादन बढ़ाना ऊर्जा सुरक्षा के लिए कितना ज़रूरी है। **चुनौतियाँ:** पहली, कीमत-अस्थिरता: स्पॉट बाज़ार में भागीदारी घरेलू उपभोक्ताओं को अंतर्राष्ट्रीय उतार-चढ़ाव के सामने लाती है। दूसरी, भू-राजनीतिक जोखिम: हॉर्मुज़ जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर तनाव आपूर्ति और लागत दोनों को प्रभावित करता है, क्योंकि भारत का अधिकांश LNG खाड़ी देशों से आता है। तीसरी, गैस-आधारित

बिजली क्षमता का कम उपयोग: कीमतें ऊँची रहने पर गैस-आधारित संयंत्र कम चलते हैं, जिससे बिजली मिश्रण में गैस की हिस्सेदारी घटती है और कोयले पर निर्भरता बनी रहती है। चौथी, भंडारण-क्षमता सीमित: अक्टूबर जैसे रिकॉर्ड आयात के बाद नवंबर जैसी कटौती भंडारण की सीमा दिखाती है।

परीक्षा के लिए मुख्य तथ्य

बिंदु	तथ्य
नवंबर 2026 LNG आयात (1-27 तारीख़)	1.73 मिलियन टन (लगभग 64,000 टन/दिन)
पूरे नवंबर का अनुमान	1.8-1.9 मिलियन टन
अक्टूबर 2026	2.85 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
नवंबर 2025	2.20 मिलियन टन
स्तर	मार्च 2026 के बाद सबसे कम (8 माह का निचला)
स्पॉट कीमत	लगभग 35 डॉलर प्रति mBtu
प्रमुख कारण	बिजली माँग में कमी, अक्टूबर का भंडारण, ऊँची स्पॉट कीमतें, यूरोपीय प्रतिस्पर्धा, हॉर्मुज़ जोखिम

अभ्यास प्रश्न (प्रिलिम्स)

प्रश्न: भारत के LNG आयात के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: 1. नवंबर 2026 में भारत का LNG आयात मार्च 2026 के बाद के सबसे निचले मासिक स्तर पर रहा। 2. भारत की LNG खपत का बड़ा हिस्सा दीर्घकालिक अनुबंधों से आता है, जो स्पॉट कीमतों से अपेक्षाकृत स्थिर होते हैं। 3. भारत अपनी समस्त प्राकृतिक गैस खपत घरेलू उत्पादन से पूरी करता है।

कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: 1.73 मिलियन टन (1-27 नवंबर) मार्च 2026 के बाद सबसे कम है।

कथन 2 सही है: दीर्घकालिक अनुबंध अपेक्षाकृत स्थिर कीमत देते हैं, जबकि स्पॉट खरीद उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील होती है।

कथन 3 ग़लत है: भारत अपनी गैस खपत का बड़ा हिस्सा LNG आयात से पूरा करता है; घरेलू उत्पादन स्थिर परंतु सीमित है।

मेंस प्रश्न (GS-III, 10 अंक)

"भारत की LNG आयात-निर्भरता कीमत और भू-राजनीति, दोनों के प्रति संवेदनशील है।" हालिया आँकड़ों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में:

नवंबर 2026 के आँकड़े दें: 1.73 मिलियन टन, 8 माह का निचला स्तर।

मुख्य भाग में:

गिरावट के कारण (बिजली माँग, भंडारण, स्पॉट कीमतें, यूरोपीय प्रतिस्पर्धा, हॉर्मुज़ जोखिम) और इसके मायने (विदेशी मुद्रा, ऊर्जा-लागत, गैस-आधारित बिजली का कम उपयोग) रखें।

निष्कर्ष में:

दीर्घकालिक अनुबंध, घरेलू उत्पादन और भंडारण-क्षमता बढ़ाने तथा आपूर्ति-स्रोत विविध करने की आवश्यकता पर जोर दें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न 1: स्पॉट कीमत और दीर्घकालिक अनुबंध में क्या अंतर है?
उत्तर: स्पॉट खरीद तत्काल बाज़ार भाव पर होती है और उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील होती है; दीर्घकालिक अनुबंधों में कीमत का सूत्र पहले से तय होता है, जिससे अपेक्षाकृत स्थिरता मिलती है।

प्रश्न 2: क्या आयात में गिरावट का मतलब गैस की कमी है?
उत्तर: नहीं। यह कटौती मुख्य रूप से कम बिजली माँग, अक्टूबर के भंडारण और ऊँची स्पॉट कीमतों से हुई; घरेलू उत्पादन स्थिर रहा और दीर्घकालिक अनुबंधों से आपूर्ति जारी रही।

स्रोत

- The Indian Express: India's LNG imports fall to eight-month low in November (27 नवंबर 2026)

यह लेख PCS Mantra की संपादकीय टीम ने उपर्युक्त स्रोतों के आधार पर अपने शब्दों में लिखा है। परीक्षा से पहले आधिकारिक अधिसूचनाएँ ज़रूर जाँच लें। कवर इमेज प्रतीकात्मक है। © pcsmantra.in